www.tamsasanket.com
वर्ष: 05 || अंक 304 || लखनऊ
शनिवार
07 फ़रवरी 2026 ||पृष्ठ: 04|| मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:48
सूर्यास्त: 05:53
अधिकतम: 23°00
न्यूनतम: 12°00

पेज 03

विशेष समाचार
आस्था व विश्वास को यदि हथियार ... >> पेज 02
यूपी में एसआईआर की डेट 1 महीने ... >>पेज 04
भागम भाग 2 में नहीं होंगे गोविंदा! ...

नमाजियों के खून से लाल हुई मस्जिद

जुमे की नमाज के दौरान बम ब्लास्ट

31 की मौत | 160 से ज्यादा घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद (इमामबाड़ा) में आत्मघाती हमला हुआ। पाकिस्तानी अखबार द डॉन के मुताबिक, हमले में 31 लोगों की मौत हो गई है और 169 घायल हुए हैं। इससे पहले पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में 69 मौतों की जानकारी आई थी। पुलिस और रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और राहत का काम शुरू कर दिया है। अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया और घायलों को वहां पहुंचाया जा रहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

राष्ट्रपति बोले- ये हमला इंसानियत के खिलाफ

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके में मारे गए लोगों के लिए शोक जताया है। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों को निशाना बनाना इंसानियत के खिलाफ है। जरदारी ने घायलों के जल्द ठीक होने की दुआ की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को हर संभव बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए। इससे पहले भी 11 नवंबर 2025 को इस्लामाबाद के G-11 इलाके में जिला और सत्र न्यायालय के बाहर आत्मघाती धमाका हुआ था। उस धमाके में 12 लोगों की मौत हो गई थी और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 के मुताबिक, बुर्किना फासो के बाद पाकिस्तान दुनिया का दूसरा सबसे आतंक प्रभावित देश बन चुका है।

शिया समुदाय को बनाया निशाना

इस हमले के जरिए शिया समुदाय को निशाना बनाया गया है. धमाके के बाद शिया मस्जिद के अंदर का दृश्य डरा देने वाला है. लोग घायल और खून से लथपथ हालत में जमीन पर पड़े हुए नजर आ रहे हैं. बड़ी संख्या में लोग जमीन पर पड़े हुए हैं. वहां अफरातफरी का माहौल है. रेस्क्यू टीम मौके पर मौजूद है. इमाम बारगाह के आसपास के इलाके को घेर लिया गया है. हर एक जगह पर बारीकी से नजर रखी जा रही है. खबर ये भी सामने आ रही है कि सुरक्षा के मद्देनजर अधिकारियों ने पूरे शहर में आपातकाल लागू कर दिया है.

मस्जिद में कैसे हुआ धमाका?

इस्लामाबाद के शहजाद टाउन इलाके में स्थित टेरलाई इमाम बारगाह में जुमे की नमाज के दौरान यह धमाका हुआ है. आत्मघाती हमलावर ने खुद को अंदर आने के बाद गेट के पास उड़ा लिया. इस घटना में पहले 5 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई थी. मरने वालों की संख्या अब 69 पहुंच गई है. वहीं 169 लोगों के हताहत होने की जानकारी सामने आई है. विस्फोट की सूचना मिलने के बाद पुलिस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गया और बचाव कार्य जारी है. घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आई है, जिसमें लोग इमाम बारगाह की जमीन पर बेसुध पड़े हैं। वहीं कुछ लोग एक दूसरे की मदद करते दिखाई दिए।

पार्लियामेंट्री अफेयर्स के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस्लामाबाद में हुए धमाके की मैं कड़ी निंदा करता हूं। इस हमले में मारे गए लोगों के लिए दुखी हूं। ऐसी आतंकी घटनाएं देश और लोगों का हौसला नहीं तोड़ सकती। जरूरत है कि हम सब मिलकर शांति के लिए एकजुट हों और कानून व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों के साथ मजबूती से खड़े रहें।

हमलावर को एंट्री गेट पर रोका, फिर हुआ तेज धमाका

द टाइम्स ऑफ इस्लामाबाद ने सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से बताया कि हमलावर को एंट्री गेट पर पहले से अलर्ट सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया था, जिसकी वजह से वह मस्जिद के मुख्य हॉल में प्रवेश नहीं कर सका, जहां पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे. उसे रोके जाने के बावजूद, धमाके वाली जगह के वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि गेट को भारी नुकसान पहुंचा है. धमाका इतना तेज था कि आसपास की इमारतों की खिड़कियां भी चकनाचूर हो गईं और मलबा सड़क पर बिखर गया.

अस्पताल में इमरजेंसी लागू

इस विस्फोट के बाद इस्लामाबाद के पॉलीक्लिनिक, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) और सीडीए अस्पताल में आपातकाल लगा दिया गया है. रिपोर्ट के अनुसार हॉस्पिटल के एक प्रवक्ता ने डॉन को इसकी पुष्टि की. उन्होंने बताया कि कार्यकारी निदेशक (ईडी) पिम्स के निर्देश पर, अस्पताल में आपातकाल लागू कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि मुख्य आपातकालीन, आर्थोपेडिक, बर्न सेंटर और न्यूरोलॉजी विभाग सक्रिय कर दिए गए हैं. घायलों को पिम्स और पॉलीक्लिनिक अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है.

धमाके में फैमली मेंबर के मारे जाने के बाद रोता युवक।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स में पाकिस्तान दूसरे नंबर पर

2025 में TTP के हमलों में 90% की वृद्धि हुई है। वहीं बलूच आर्मी (BLA) के हमलों में 60% बढ़ोतरी हुई।

तिरुपति लड्डू के घी में बाथरूम क्लीनर केमिकल इस्तेमाल हुआ

कलुगोटला (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के CM एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पिछली YSRCP सरकार के दौरान तिरुपति के पवित्र लड्डू ऐसे घी से बनाए गए, जिसमें बाथरूम साफ करने वाले केमिकल मिले हुए थे। पांच सालों तक लड्डू बनाने में केमिकल मिला हुआ घी इस्तेमाल किया गया। कुरनूल जिले के कलुगोटला गांव में सभा को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि पिछली सरकार ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का काम किया।प्रसाद में मिलावट की गई थी। YSRCP सरकार के समय प्रसिद्ध श्रीशैलम मंदिर में भी मिलावटी घी की सप्लाय किया गया। नायडू ने बताया कि दो तरह के केमिकल होते हैं-एक सब्जियों से बने होते हैं, जो महंगे होते हैं, जबकि जानवरों की चर्बी सस्ती होती है।

योगी सरकार सख्त, तीन पीसीएस अफसर निलंबित

तमसा संकेत, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कप्तानी में शासन-प्रशासन ने एक बार फिर अपने तंत्र में कड़ा एक्शन लिया है। प्रदेश सरकार ने प्रांतीय सिविल सेवा (PCS) के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जो चंदौली के पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर में भूमि के संबंध में 20 आरसी प्रपत्र नोटिस के विवादित हटाए जाने के आरोपों को लेकर आया है। यह कार्रवाई राजस्व संहिता 2006 के उल्लंघन और प्रशासनिक जिम्मेदारी के ठीक से पालन न किए जाने के आरोपों के मद्देनजर की गई है। अधिकारियों के साथ खुद सरकार ने साफ संकेत दिया है कि अब किसी भी सरकारी जमीन, नियमों के उल्लंघन या जनता के हित के खिलाफ निर्णयों के मामले में प्रशासनिक तंत्र की

जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। चंदौली जिले के पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर में तहसील स्तर पर एक विवादित मामला सामने आया जिसका मूल विषय था "20 आरसी प्रपत्र" के रूप में जारी किए गए नोटिस। ये नोटिस सरकारी भूमि (जैसे खलिहान, चकमार्ग, कब्रिस्तान, नवीन परती, बंजर आदि) पर अतिक्रमण की पहचान और उसके खिलाफ कार्रवाई के लिए जारी किए जाते हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत को अनुशासनहीनता पर नोटिस

काफिला रोकने वाले विवाद पर सियासी हलचल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह का काफिला बीच सड़क पर रोकने वाले चरखारी के भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत को पार्टी ने नोटिस जारी किया है। यह नोटिस शुक्रवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से दिया गया है। सोशल मीडिया पर लगातार सामने आ रहे विधायक के बयानों के बाद पार्टी ने यह कदम उठाया है। पार्टी ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए सात दिन में जवाब देने को कहा है। बता दें कि विधायक एक वायरल वीडियो में जनता के लिए मंत्री क्या मुख्यमंत्री का भी काफिला रोकने की बात कहते नजर आए थे। जलशक्ति मंत्री से सड़क पर तकरार

करने वाले विधायक बृजभूषण बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया की सनसनी बने हुए हैं। विधायक के साथ ही उनके पिता पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत के भी तमाम वीडियो और रील्स सोशल मीडिया पर वायरल हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में पहले मंत्री को खुद को राजा न समझने की सीख देने वाले गंगाचरण राजपूत बाद में स्वतंत्रदेव व बृजभूषण को छोटा-बड़ा भाई बताते नजर आए थे। इसके बाद मामला बढ़ता देख नसीहत देते भी दिखे। हालांकि हिन्दुस्तान ऐसे किसी वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता। उधर, मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने भी मीडिया के एक सवाल के जवाब में यह कहते हुए एतराज जताया था कि विधायक सड़क की जगह सर्किट हाउस या बंद कमरे में भी मिल सकते थे। इस पूरे प्रकरण ने विपक्ष को भी सत्ताधारी दल को घेरने का एक मुद्दा दे दिया था। असहज हुई पार्टी तो जारी हुआ नोटिस लगातार हो रही इस बयानबाजी ने भाजपा को भी बेहद असहज कर दिया।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर हुए। वहीं महाराष्ट्र का एक जवान शहीद हो गया, 1 अन्य जवान घायल है। 6 फरवरी की सुबह अबूझमाड़ के जंगल में दोनों ओर से हुई गोलीबारी में महाराष्ट्र के C-60 कमांडोज ने 3 नक्सलियों को मार गिराया। इस दौरान नक्सलियों की ओर से फायरिंग में गोली कॉन्स्टेबल दीपक चिन्ना मदावी (38 साल) को जा लगी।

रोहतक में आईपीएस के पिता ने किया सुसाइड

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में आईपीएस राहुल बल्हारा के पिता जयपाल ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। शुक्रवार की शाम को वे अनाज मंडी में दुकान के बाहर कुर्सी पर बैठे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकाली और सिर में गोली मार ली। गोली लगने से ही वे कुर्सी से नीचे गिर गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार मौके पर पहुंचे और लहूलुहान हालत में पड़े जयपाल को उठाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में पीजीआई के ट्रोमा सेंटर में रखवाया। एफएसएल टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए।

हिमाचल में 3 दिन बाद बारिश-बर्फबारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में तीन दिन बाद फिर से बारिश-बर्फबारी होगी। इससे पहले, दिन में धूप खिलने से अधिकतम तापमान में उछाल दर्ज किया गया है। प्रदेश का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 3.2 डिग्री ज्यादा हो गया है, जबकि निचले इलाकों में कोहरे की वजह से न्यूनतम अभी भी सामान्य से नीचे है। आज भी मैदानी इलाकों में आज सुबह 10 बजे तक कोहरा छाया रहा।

नारेबाजी के बाद लोकसभा सोमवार तक स्थगित

केंद्रीय मंत्री बिट्टू बोले- राहुल पीएम की पाठशाला जाएं तो कामयाब होंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में शुक्रवार को भी लोकसभा में हंगामा और नारेबाजी हुई। पहली बार 3 मिनट और दूसरी बार 7 मिनट तक ही कार्यवाही चल सकी। इसके बाद लोकसभा 9 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा को भी सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा- उन्हें कल सबने बालक कहा। आज PM की पाठशाला थी, जिसमें बच्चों को कामयाब होना बताया गया। अगर राहुल भी पीएम की पाठशाला में चले जाएं तो जिंदगी में कामयाब हो जाएंगे। गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास कर दिया गया। लोकसभा में 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है।

निशिकांत बोले- देश की समस्याएं नेहरू-गांधी परिवार की देन हैं

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, हम जब 2014 में सरकार में आए तब पारदर्शिता है। लेकिन इस देश के बच्चों को ये नहीं पता कि इस देश में आज जो भी समस्याएं हैं वो नेहरू, गांधी परिवार की देन हैं।

जलबोर्ड के 3 अधिकारी सस्पेंड, केस भी दर्ज, राहुल गांधी बोले- कातिल सड़क नहीं, गैरजिम्मेदार सत्ता है

गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत

एक्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी में 15 फीट गहरे गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत मामले में एक्शन हुआ है। पुलिस ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। जल बोर्ड ने 3 अधिकारियों को सस्पेंड भी किया है। इनमें एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर शामिल हैं। वहीं, DJB ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की बात कही है। इधर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस घटना पर X पोस्ट में लिखा- यह हादसा नहीं, हत्या है। इसकी जिम्मेदारी सरकार की है और वह जवाबदेही से भाग रही है। कातिल सड़क नहीं, गैरजिम्मेदार सत्ता है दरअसल, 5 फरवरी की देर रात कमल भयानी (25) की दिल्ली जब बोर्ड की कंस्ट्रक्शन साइट पर खोदे गड्ढे में गिरकर मौत हुई। 6 फरवरी की सुबह 8 बजे PCR कॉल मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद कमल का शव निकाला गया। वह कैलाशपुरी का रहने वाला था।

>> (शेष पेज 04 पर)

राहुल गांधी की एक्स पोस्ट....

हिंदुस्तान में फैली लालच और लापरवाही की महामारी आज फिर एक युवा की जान ले गई। एक बेटा, एक सपना, मां-बाप की पूरी दुनिया, सब कुछ एक झटके में उजाड़ दिया गया। यह हादसा नहीं, हत्या है और हत्यारी है जवाबदेही से भागती सत्ता। असली कातिल सड़क नहीं, गैरजिम्मेदार सत्ता है। क्योंकि यहां न इस्तीफा होता है, न सजा मिलती है, न किसी की अंतरात्मा जागती है।

पुलिस को सुबह मृतक के गड्ढे में पड़े होने की जानकारी मिली।

मंत्री आशीष सूद बोले- लापरवाही पर बख्शा नहीं जाएगा

दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने कहा, मुझे इस दुखद घटना की जानकारी सुबह करीब 8:30-9:00 बजे मिली, और मैं तब से मौके पर ही हूं। यह बहुत दुखद घटना है जिसमें एक जवान आदमी की असमय मौत हो गई। अब तक मिली जानकारी के आधार पर, सभी ज़रूरी सावधानियां बरतने और जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। अगर किसी की तरफ से कोई लापरवाही पाई जाती है, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। अगर समय पर तलाश होती तो जान बच सकती थी। मयंक ने आशंका जताई कि कमल की हत्या कर शव गड्ढे में फेंका गया।

परिवार बोला: 7-8 पुलिस स्टेशन गए, मदद नहीं मिली

मृतक के जुड़वां भाई करण ने बताया- हम तीन भाई हैं और हम दोनों जुड़वां हैं। हम कल रात से कमल ढूंढ रहे थे, अलग-अलग इलाकों में घूम रहे थे। हम 7-8 पुलिस स्टेशन गए, लेकिन किसी ने हमारी मदद नहीं की और शिकायत भी दर्ज नहीं की। करण ने कहा कि सुबह मैंने उसको फोन किया तो पुलिस ने फोन उठाकर हमें बताया कि वह मरा हुआ मिला है। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने कमल की बॉडी और मोटरसाइकिल को गड्ढे में पड़ा देखा।

विरोध : नेमचा किपगेन और 2 कुकी-जो विधायकों के विरोध में हिंसा भड़की, पत्थरबाजी, टायर जलाए

डिप्टी सीएम की हत्या पर ₹20 लाख का इनाम

- प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायरों में आग लगा दी।
- चुराचांदपुर में रात तक सड़कों पर प्रदर्शन और नारेबाजी होती रही।
- प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में कुकी-जो-हमार समुदाय के विधायकों के राज्य सरकार में शामिल होने के विरोध में शुक्रवार को चुराचांदपुर, कांगपोकपी और तेंगनौपाल जिलों में हजारों लोगों ने रैलियां निकालीं। चुराचांदपुर में यह विरोध प्रदर्शन बाद में हिंसक हो गया, जिसके बाद प्रशासन ने

प्रभावित इलाकों में पूर्ण शटडाउन लगा दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कुकी-जो-हमार समुदाय से आने वाले तीन BJP विधायक नेमचा किपगेन, एल एम खाउते और एन सनाटे ने समुदाय के साथ धोखा किया है। नेमचा किपगेन के मणिपुर के डिप्टी चीफ मिनिस्टर बनने के विरोध में चुराचांदपुर में उनके और अन्य विधायकों के पुतले जलाए गए।

>> (शेष पेज 04 पर)

"2 फरवरी को कुकी विधायकों ने कहा था कि समुदाय के नेताओं से बातचीत के बाद ही सरकार से जुड़ने का फैसला लिया गया है। लेकिन नेम्चा ने दिल्ली में क्या बात की, इससे पर्दा नहीं उठा। इससे विवाद की स्थिति बनी है। समुदाय के बड़े हिस्से का मानना है कि विधायकों ने विश्वासघात किया। समर्थक धड़े का मानना है कि वे समुदाय की सुरक्षा और विकास के लिए शामिल हुए।"

प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायरों में आग लगा दी।

डिप्टी सीएम और 3 विधायकों का विरोध

नई सरकार में नेमचा किपगेन के डिप्टी सीएम बनने पर कुकी समुदाय बंट गया है। एक संगठन ने विश्वासघात व मैतेई से गठबंधन का आरोप लगाकर सरकार में शामिल तीनों कुकी विधायकों के सामाजिक बहिष्कार की घोषणा की है।

भारत छठी बार बना अंडर-19 विश्व चैंपियन

वैभव सूर्यवंशी ने 175 रन बनाए

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीत लिया है। टीम ने शुक्रवार को इंग्लैंड पर 100 रनों की जीत हासिल की। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 411 रन बनाए। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने 80 बॉल पर 175 रन बनाए। इनमें से 150 रन बाउंड्री से बने। वैभव ने 218.75 की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए पारी में 15 चौके और 15 सिक्स लगाए। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 53 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से सेबेस्टियन मॉर्गन और एलेक्स ग्रीन ने 2-2 विकेट झटके। 412 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लिश टीम 40.2 ओवर में 311 रन पर ऑलआउट हो गई। आरएस अंबरीश ने 3 विकेट झटके। दीपेश देवेन्द्रन और कनिष्क चौहान को 2-2 विकेट मिला। इंग्लैंड के कालेब फॉल्कनर ने 67 बॉल पर 115 रन बनाए। ओपनर बेन डॉकिन्स ने 56 बॉल पर 66 रन की पारी खेली।

सम्पादकीय

जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं हैं परीक्षाएं

भारत में छात्रों के परीक्षा तनाव को कम करने और सीखने की प्रक्रिया को आनंदमय बनाने के लिए शुरू हुई 'परीक्षा पे चर्चा' पहल आज एक बड़ी जन-भागीदारी बन चुकी है। 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छात्रों के बीच हुई एक बातचीत से आरंभ हुई यह पहल अब करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों का मार्ग प्रशस्त कर रही है। 2025 में इस कार्यक्रम ने गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया, जब एक ही महीने में 3.53 करोड़ से अधिक लोगों ने इसमें भागीदारी के लिए पंजीकरण किया। इसकी कुल पहुंच 21 करोड़ से अधिक दर्शकों तक रही, जिसमें विदेश स्थित भारतीय स्कूल भी शामिल थे। यह कार्यक्रम छात्रों को यह संदेश देता है कि परीक्षाएं जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं हैं, बल्कि सीखने की यात्रा का सिर्फ एक प्रमुख चरण हैं। प्रधानमंत्री बार-बार इस पर जोर देते हैं कि परीक्षा केवल किसी विशेष क्षण में आपकी तैयारी को मापती हैं, जबकि सीखना लगातार और आनंददायक होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में 'आजीवन सीखने' की अवधारणा पर गहराई से जोर दिया गया है। इस कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य यह है कि अंकों का प्रतिशत बच्चे के संपूर्ण व्यक्तित्व को परिभाषित नहीं कर सकता। बच्चों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर अलग-अलग कौशल सीखने, नई गतिविधियों को आजमाने और चुनौतियों को डर के बजाय अवसर के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया जाना है। इस पहल में मानसिक स्वास्थ्य को विशेष महत्व दिया गया है। विशेषज्ञ छात्रों को तनाव कम करने के आसान तरीकों से परिचित करा रहे हैं, जिनमें 5-4-3-2-1 ग्राउंडिंग तकनीक, पर्याप्त नींद, पानी, व्यायाम और ध्यान जैसी स्वस्थ दिनचर्या शामिल हैं। 5-4-3-2-1 इंद्रिय-आधारित ध्यान अभ्यास है, जिसे पांचों इंद्रियों का उपयोग करके विचारों की दौड़ को शांत करने और अंततः उन्हें एक इंद्रिय तक सीमित करने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसा करने से आपका ध्यान चिंता पैदा करने वाले विचारों से हटकर वर्तमान क्षण पर केंद्रित होता है। इस तकनीक को 18वीं शताब्दी में बेट्टी एलिस एरिक्सन ने विकसित किया था। खेल जगत की कई हस्तियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया था कि खेल पढ़ाई में बाधा नहीं, बल्कि तनाव कम करने और ध्यान केंद्रित रखने में मदद करते हैं। डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रचलन से आशंका व्यक्त की जा रही है कि उससे संज्ञान का ह्रास हो रहा है तथा मानसिक स्वास्थ्य कुप्रभावित हो रहा है। विश्व में 5.66 अरब डिजिटल मीडिया प्रोफाइल हैं। लोग प्रतिदिन डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म पर सामग्री देखने में 15 अरब घंटे व्यतीत करते हैं, जो मानव जीवन के 17 लाख वर्षों से अधिक के बराबर है। अत्यधिक उपयोग से 'डिजिटल डिमेंशिया' में बढ़ोतरी हो रही है, जिसके कारण मस्तिष्क के उन क्षेत्रों में ग्रे मैटर की कमी हो जाती है, जो भावनात्मक विनियमन और आवेग नियंत्रण के लिए जिम्मेदार होते हैं। हम डिजिटल मीडिया को नकारने की स्थिति में नहीं हैं, इसलिए हमें इसके उपयोग के लिए स्वस्थ सीमाएं निर्धारित करनी चाहिए। तकनीकी विशेषज्ञों ने छात्रों को सलाह दी है कि वे मोबाइल और डिजिटल साधनों को नियंत्रित तरीके से इस्तेमाल करें, ताकि तकनीक मददगार बने, बोझ नहीं। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम अभिभावकों को भी महत्वपूर्ण संदेश देता है कि वे बच्चों का ध्यान केवल अंकों पर न लगाएं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया पर केंद्रित रखें। बच्चों की तुलना दूसरों से न करें और अपने घर में ऐसा माहौल बनाएं जहां बच्चे खुलकर अपने डर, चुनौतियों और उम्मीदें साझा कर सकें। अभिभावकों का सहयोगी व्यवहार बच्चों की परीक्षा तैयारी में सबसे ज्यादा मदद करता है।

भारतीय शिक्षा दर्शन में ज्ञान की प्राप्ति को एक एकाकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक साझा पथ माना गया है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम शिक्षकों से अपील करता है कि वे रटने की संस्कृति से आगे बढ़कर आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा दें। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें छात्र-केंद्रित, तनाव-मुक्त और अनुभवात्मक शिक्षा पर जोर दिया गया है। मूल्यांकन प्रणाली में बदलाव की जरूरत है ताकि परीक्षाएं केवल याद्दाश्त नहीं, बल्कि समझ, अनुप्रयोग और विकास को माप सकें। डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग भी शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। स्कूलों और जिला स्तर के शिक्षा अधिकारियों को इस पहल के सिद्धांतों को वास्तविकता में बदलने की भी जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए स्कूलों में वेलनेस कमेटियां बनाना, तनाव प्रबंधन और अध्ययन कौशल पर कार्यशालाएं आयोजित करना, अभिभावक-शिक्षक संवाद बढ़ाना और छात्रों की उपलब्धियों को केवल अंकों के बजाय विविध क्षेत्रों में पहचानना जरूरी बताया गया है। इसे सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा अभिलेखित एक्जाम वारियर्स जैसे संसाधनों को हर छात्र तक पहुंचाना भी महत्वपूर्ण है। अंततः परीक्षा पे चर्चा मात्र एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका संदेश स्पष्ट है-परीक्षाएं बोझ नहीं, बल्कि सीखने, बढ़ने और खुद को समझने का अवसर हैं।

आस्था व विश्वास को यदि हथियार बना देंगे तो धर्म का क्या होगा?

> जब ऐसी घटनाएं होती हैं, तो किसी तरह स्पष्टीकरण का बोझ भी महिलाओं पर ही डाल दिया जाता है। यह अपराध है और इसे इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं है। यह एक प्रकार की पुरुष मानसिकता है, जो आस्था के नाम पर स्त्रियों पर अत्याचार का हथियार धर्म में ढूंढ लेता है।

अभी हाल ही में बांग्लादेश में एक नए प्रकार के कथित लोकतंत्र समर्थित आन्दोलन में ऐसा बहुत कुछ हुआ जो समझ से पड़े है। उसमें से एक घटना कथित तौर पर ईशनिंदा का भी सामने आया है। मसलन ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू मज़दूर की भीड़ ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। सच पूछिए तो यह लिंचिंग केवल एक मानव जीवन की क्षति नहीं है, इससे पूरी मानवता शर्मसार हुई है। यह एक सभ्य समाज के नैतिक विवेक के क्षरण का संकेत है। इसी से मिलती-जुलती तो नहीं लेकिन कुछ ऐसी ही घटना उत्तर प्रदेश की है। यहां एक पिता द्वारा कथित रूप से अपनी पत्नी और दो छोटी बेटियों की हत्या की कर दी गयी। यह खबर इसलिए बेहद खास हो जाती है कि एक मुसलमान ने अपनी बेटी और पत्नी की हत्या महज इसलिए कर दी कि वह तीनों बुर्क़ा पहनने से परहेज कर रही थी। इस प्रकार के कृत्य को आप क्या कहेंगे? शब्दों में इसकी व्याख्या नहीं की जा सकती है। तीन जिंदगियां-एक स्त्री और उसके बच्चे, किसी नियति या दुर्घटना से नहीं बल्कि उस व्यक्ति के हाथों खत्म हो गयी जिसने नियंत्रण को आस्था और क्रूरता को सम्मान समझ लिया। इस कृत्य की भयावहता निर्विवाद है, लेकिन उतना ही विचलित करने वाला यह है कि ऐसे मामलों को कितनी जल्दी धार्मिक विफलता के रूप में पेश कर दिया जाता है जबकि सच्चाई यह है कि ये अपराध पितृसत्ता, असुरक्षा और अनियंत्रित घरेलू हिंसा से जन्म लेते हैं। यह दोनों घटनाएं दो देशों की है लेकिन बहुत हद तक इसमें समानता है। दोनों स्थानों पर आस्था को ठेस पहुचाने की बात कही गयी और अंततोगत्वा एक अपराध ने जन्म लिया, जिसे एक सभ्य समाज कभी स्वीकार नहीं कर सकता है। चलिए इन कृत्यों को या ऐसा कहे कुकृत्यों को इस्लामिक धार्मिक नजरिए से पड़ताल करते हैं। मुस्लिम स्कॉलर मुफ्ती तुफैल खान साहब कहते हैं, ''क़ुरान की कोई आयत, पैग़म्बर की कोई शिक्षा, या इस्लामी सिद्धांत किसी पुरुष को यह अधिकार नहीं देता कि वह हिंसा के ज़रिये किसी महिला के विवेक पर पहरा लगाए। उसे और उसके बच्चों की हत्या करना तो दूर की बात है। इस्लाम में बुर्क़ा, हिजाब या किसी भी प्रकार का सादा पहनावा व्यक्तिगत आस्था की अभिव्यक्ति है, प्रभुत्व थोपने का हथियार नहीं। जब कपड़े ज़बरदस्ती का औज़ार बन जाते हैं, तो वे धार्मिक नहीं रहते, राजनीतिक, बल्कि आपराधिक हो जाते हैं।'' पुलिस जांच के अनुसार, उत्तर प्रदेश वाले मामले में आरोपी को कथित रूप से पत्नी के बिना बुर्क़ा बाहर निकलने पर आपत्ति थी और उसने इसे "इज्जत" का मामला माना लेकिन भय पर टिकी इज़्ज़त, इज़्ज़त नहीं होती, वह नैतिकता का मुखौटा ओढ़ी हुई तानाशाही होती है। पैग़म्बर मुहम्मद ने अपने घर में कभी हिंसा के ज़रिये आस्था लागू नहीं की। क़ुरान बार-बार करुणा, सहमति और जवाबदेही की बात करता है, महिलाओं के शरीर या उनके चुनावों पर स्वामित्व की नहीं। बांग्लादेश में इस्लाम के अपमान के एक अप्रमाणित आरोप के बाद हुई इस घटना ने एक बार फिर भारतीय उपमहाद्वीप को एक असहज सच्चाई का सामना करने को मजबूर कर दिया है। ईशनिंदा के आरोपों का बढ़ते हुए हिंसा को वैध ठहराने, न्याय को दरकिनार करने और कमजोर वर्गों को चुप कराने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। ऐसे कृत्य अक्सर धर्म के नाम पर किए गए लेकिन वे स्वयं इस्लाम की मूल शिक्षाओं के विपरीत हैं। दक्षिण एशिया में, विशेषकर बांग्लादेश और पाकिस्तान में, ईशनिंदा के आरोप एक खतरनाक सामाजिक हथियार बन चुके हैं। अफवाहें तेज़ी से फैलती हैं, भावनाएं भड़काई जाती हैं और भीड़ स्वयं पुलिस, न्यायाधीश, जूरी और जल्लाद की भूमिका निभाने लगती है। तथ्य सत्यापित होने या सुरक्षा उपलब्ध कराए जाने से पहले ही घंटों में परिवार तबाह कर दिए जाते हैं। अल्पसंख्यकों, असहमत लोगों या सामाजिक रूप से कमजोरों के लिए मात्र आरोप ही मौत का फरमान बन जाता है। तुफैन साहब कहते हैं कि ''लोकप्रिय धारणा के विपरीत, क़ुरान ईशनिंदा के लिए किसी सांसारिक दंड का प्रावधान नहीं करता। सदियों से अनेक प्रतिष्ठित विद्वानों ने इस बात पर ज़ोर दिया है। क़ुरान स्वीकार करता है कि आस्थावान लोगों को अपमान और उपहास सहना पड़ेगा'', "तुम अवश्य ही उन लोगों से बहुत सी तकलीफ़देह बातें सुनोगे जिन्हें तुमसे पहले किताब दी गई और बहुदेववादियों से भी, पर यदि तुम धैर्य रखो और ईश्वर का ध्यान रखो, तो यह बड़े संकल्प की बात है" (क़ुरान 3.186)। एक अन्य आयत मुसलमानों को हिंसक प्रतिशोध के बजाय अलग हो जाने का निर्देश देती है, "और जब तुम सुनो कि ईश्वर की आयतों का इनकार किया जा रहा है और उनका मज़ाक उड़ाया जा रहा है, तो उनके साथ मत बैठो जब तक वे विषय न बदल लें" (क़ुरान 4.140)। उल्लेखनीय है कि अपमान या उपहास से संबंधित किसी भी क़ुरानी आयत में इस प्रकार की हिंसा का कोई विधान ही नहीं है। पैग़म्बर मुहम्मद का जीवन मुसलमानों के लिए सबसे प्रामाणिक मार्गदर्शक है। शास्त्रीय इतिहासकारों ने ऐसे अनेक प्रसंग दर्ज किए हैं जब पैग़म्बर का व्यक्तिगत रूप से अपमान, उपहास और अपमानित किया गया। ताइफ़ में उन पर पत्थर फेंके गए, यहां तक कि वे लहूलुहान हो गए। जब दैवी प्रतिशोध का विकल्प दिया गया तो उन्होंने इनकार किया और अपने हमलावरों के लिए दुआ की। इस्लाम के महान धर्मशास्त्री इमाम अल-ग़ज़ाली ने ज़ोर दिया कि व्यक्तिगत अपमान निजी प्रतिशोध को उचित नहीं ठहराते और नैतिक संयम एक उच्च इस्लामी गुण है। इसी तरह, कठोरपंथियों द्वारा उद्धृत किए जाने वाले इब्न तैमिय्या ने एक महत्वपूर्ण भेद स्पष्ट किया, जहाँ ईशनिंदा पर दंड मान्य भी माना गया, वह राज्य का विषय था, न्यायिक अधिकार, विधिसम्मत प्रक्रिया और स्पष्ट प्रमाण के साथ, न कि भीड़ की कार्रवाई के द्वारा न्याय। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कई मामलों में पश्चाताप दंड को निष्प्रभावी कर सकता है। इस मामले में क़ुरान कहता है, "किसी समुदाय के प्रति द्वेष तुम्हें अन्याय करने पर न उकसाए। न्याय करो, यही धर्मपरायणता के अधिक निकट है" (क़ुरान 5:8)। पैग़म्बर ने सामूहिक दंड और भावनात्मक निर्णयों के विरुद्ध चेतावनी देते हुए कहा, "संदेह से बचो, क्योंकि संदेह सबसे झूठी बात है" (बुख़ारी)। बिना मुक़दमे लिंचिंग, सार्वजनिक अपमान और हत्या न्याय, दया और जीवन की पवित्रता (हुरमत-अन-नफ़्स) जैसे इस्लामी मूल सिद्धांतों का उल्लंघन हैं। उपमहाद्वीप में ईशनिंदा क़ानूनों का दुरुपयोग इस्लामी शिक्षा का प्रतिबिंब नहीं, बल्कि सामाजिक असुरक्षा, राजनीतिक हेरफेर और धार्मिक अशिक्षा का परिणाम है। धर्म की रक्षा के लिए लोगों की हत्या आवश्यक नहीं; आवश्यक है न्याय, सत्य और करुणा की स्थापना। जो समाज भीड़ को अपराध तय करने देता है, वह कानून और धर्म दोनों को त्याग देता है।

गौतम चौधरी

जन सुराज का...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

अमेरिका : पार्किंग का चक्रव्यूह

अमेरिका को 'पहियों पर चलने वाला देश' कहा जाता है. यहां दो स्थानों की दूरी मील में कम, कार से ट्रेवल के गूगल मैप टाइम से ज्यादा बतलाई जाने का प्रचलन है लेकिन कारों की बढ़ती संख्या के चलते आज यही पहिये पार्किंग के लिए जगह तलाशते-तलाशते थक रहे हैं। न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी जैसे महानगरों में पार्किंग अब केवल सुविधा नहीं बल्कि एक रणनीतिक चुनौती बन गई है। यहां भारत की तरह ड्राइवर कम ही कार चलाते हैं. बड़ी मंहगी गाड़ियों में भी सेल्फ ड्राइव ही अधिक देखने में आती है। हाल ही में न्यूयॉर्क में एक डॉक्टर के अपॉइंटमेंट के दौरान जब मुझे समय पर पार्किंग नहीं मिली तो मजबूरी में कार 'ट्रक पार्किंग' ज़ोन में खड़ी करनी पड़ी। महज़ 10 मिनट के भीतर वापस आने पर $115 (करीब 9,500 रुपये) का फाइन टिकट वाइपर पर चिपका मिला। यह घटना दर्शाती है कि यहाँ का प्रशासन और पुलिस व्यवस्था कितनी चाक-चौबंद है। तकनीक और नियमों का सख्त पहरा चौबीस घंटे बना रहता है। रात के वीराने में भी खाली सड़क होते हुए भी लाल सिग्नल पर कार खड़ी रहती हैं। पैदल चलने वाले को सड़क पर पहला अधिकार दिया जाता है। रोड क्रासिंग पर कार रोक कर पैदल व्यक्ति को सड़क क्रास करने की प्राथमिकता मुस्करा कर देना शिष्टाचार है। लिबर्टी स्टेट पार्क टहलने के लिए रोज ही जाता हूं. पाथ ट्रेन (लोकल) लेवल क्रासिंग पड़ती है पर कोई बैरियर नहीं है, न ही कोई वॉचमैन . केवल स्वचालित लाइट के इशारे समझ कर कार, पैदल , साइकिलिंग करने वाले सभी रुक जाते हैं । मेरे साथ तो एक बार अद्भुत घटना हुई जब मैं पत्नी के संग रुका हुआ था कि ट्रेन गुजर जाए, तब ट्रैक क्रास करूं पर ट्रेन ड्राइवर ने इशारा किया कि मैं निकल जाऊं और उसने पल भर के लिए रोकी ट्रेन और कुछ क्षण रोके रखी । कुल मिलाकर यहाँ सड़क पर कोई कभी भी हड़बड़ी में कार नहीं चलाता । यहां अत्याधुनिक तकनीक और कड़े नियमों का एक बड़ा नेटवर्क परिवहन व्यवस्था बनाए हुए है। पुलिस की मौजूदगी हर जगह भौतिक रूप से भले न दिखे लेकिन तकनीक की नज़र हर वाहन पर है। 'रडार आधारित स्पीड लिमिट' के कारण आपकी गति सीमा का उल्लंघन तुरंत दर्ज हो जाता है। टोल प्लाजा पर लंबी कतारों के बजाय 'EZ Pass' जैसी RFID प्रणाली का उपयोग होता है जिससे वाहन बिना रुके पूरी लगभग सौ की स्पीड से टोल पार कर लेते हैं। पर्यावरण और ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए, तीन या उससे अधिक यात्रियों वाली कारों के लिए अलग लेन आरक्षित होती है। जहाँ जगह कम है, वहाँ पार्किंग समाधान 'स्मार्ट' हैं। अब न्यूयॉर्क और जर्सी में ParkMobile जैसे 'मैन-लेस' (Man-less) ऐप्स का बोलबाला है। आपको किसी पार्किंग अटेंडेंट की ज़रूरत नहीं, बस ऐप पर अपना ज़ोन नंबर डालें और भुगतान करें। यदि समय बढ़ता है तो आप अपने फोन से ही समय सीमा बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा, शहरों में मल्टी-लेवल और रोबोटिक पार्किंग का जाल है जो सीमित स्थान का अधिकतम उपयोग करते हैं। माल आदि में भी स्वयं ही पार्किंग पेमेंट और स्लिप स्कैन करनी होती है। भारत और अमेरिका में लोगों की ड्राइविंग आदतों में एक बड़ा मौलिक अंतर अनुशासन का है। अमेरिका में अरबपति हो या सामान्य कर्मचारी, अधिकांश लोग स्वयं कार चलाते हैं। इसके विपरीत, भारत में अभी भी एक बड़ा वर्ग ड्राइवरों पर निर्भर है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि भारत में स्व अनुशासन की भारी कमी दिखती है। अनेक बार जिसे जहाँ मन आता है, लोग वहीं कार खड़ी कर देते हैं। 'नो पार्किंग' के बोर्ड के नीचे ही गाड़ियाँ खड़ी करना हमारे यहाँ आम बात है जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाती है। चालान बनाते पुलिस वाले से अपने किसी परिचित नेता या अधिकारी से फोन पर बात करवाना जैसा कुछ यहां नहीं होता । अमेरिका में पार्किंग साइन बोर्ड्स पर सड़क की सफाई के दिन, आपातकालीन निषेध और समय सीमा का स्पष्ट उल्लेख होता है और वहाँ कोई भी ₹दो मिनट में आता हूँ₹ कहकर अवैध पार्किंग करने का जोखिम नहीं लेता, क्योंकि वहाँ का जुर्माना और टोइंग व्यवस्था बहुत कठोर है। सड़क किनारे फायर ब्रिगेड के हाइड्रेंट्स लगे हुए हैं. उनके सम्मुख पार्किंग करना मतलब आ बैल मुझे मार जैसा है। भारत के बढ़ते महानगरीय क्षेत्रों के लिए अमेरिका का यह सेल्फ पेमेंट एप पार्किंग मॉडल एक रोडमैप , रोजगार की संभावना हो सकता है। यदि हम 'फास्टैग' (FASTag) को ही पार्किंग के साथ एकीकृत (Integrate) कर दें तो मॉल और अस्पतालों में पार्किंग कैशलेस हो सकती है। निजी खाली प्लॉट या पार्किंग स्पेस को किराए पर देने वाले ऐप्स भारत के तंग इलाकों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं, तथा यहाँ की तरह अतिरिक्त आय के साधन और पार्किंग सुविधा बन सकते हैं। तकनीक के साथ-साथ यदि हम भारतीयों में भी यह बोध आ जाए कि सड़क का उपयोग 'अधिकार' नहीं बल्कि 'साझा जिम्मेदारी' है तो हमारे यातायात की सूरत बदल सकती है।

देश अभी बहुत ...

विनय कुमार मिश्र

यूजीसी मतलब आ बैल मुझे मार

ऐसा माना जाता है कि भाजपा सवर्णों की पार्टी है । सवर्ण का हित इसी पार्टी को वोट देने में है। समय-समय पर ऐसा सिद्ध भी हुआ है क्योंकि कुछ पार्टियों तो इन्हें पानी पी पीकर गालियां देती थी लेकिन आजकल सवर्णों पर डोरे डाल रहीं हैं , इनके समर्थन में बोल रहीं हैं। एकाएक भाजपा को पता नहीं क्या हो गया है कि जहां सभी पार्टियां सवर्णों को अपने पक्ष में करने में लगी हुई है, वहीं भाजपा इन्हें क्रोधित होने का मौका देने के साथ-साथ इन्हें बगावत के लिए मजबूर कर रही है । आखिर क्या सोच रही है कि वह ऐसा करके अन्य लोगों का वोट जिन्हें खुश कर रही है उनका वोट पा पाएगी। देश भर में हो रहे हो हल्ले मंडल आयोग की याद दिला रहे हैं । मंडल आयोग लागू होने के बाद अन्य पार्टियों का भी देख लीजिए. जो भी इसके जिम्मेदार थे, जिन जिनका इसमें हाथ था, वह आज सत्ता से कोसों दूर है लेकिन अभी वही गलती भाजपा करके सत्ता से कोसों दूर होना चहती है । भाजपा की ग्रह दशा की अगर बात की जाए तो हमें लगता है कि कुछ अच्छा नहीं चल रहा है। एक यूजीसी का जबरदस्त विरोध तो दूसरी तरफ एसआईआर से परेशान लोग पानी पी पीकर अनाप सनाप बके जा रहे हैं ।

आज तक सवर्ण भाजपा को इसलिए चुनते और वोट देते आये हैं कि वह उनका हित और रक्षा करेंगी लेकिन एकाएक यह भाजपा को क्या हो गया कि ऐसे बिल की बात सोच ली । कोर्ट का अगर आदेश था तो वह कमेंटी में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देती । झूठा आरोप लगाने वालों पर सख्त कार्रवाई का प्रवधान करतीं तो बात कुछ अलग होंती लेकिन जिस रूप में यह कानून लाया जा रहा था, वह सच में काला कानून था। इससे उन बच्चों का भविष्य चौपट हो जाता जो भविष्य बनाने जातें हैं। सवर्णों के साथ घात किया जा रहा था। इस कानून के आ जाने से सवर्ण असहाय महसूस करता तथा कोई भी झूठे मुकदमों में फसा कर इनका भविष्य चौपट कर देता। झूठा मुकदमा करने वाला जिंदगी के मज़े करता और निर्दोष जेल की सलाखों के पीछे काल कोठरी में सवर्ण होने का दंश झेलता। इतने अंधे और बहरे है कि कई ऐसे बनें कानूनों की खामियां नहीं दिखीं। जो जेल की हवा, झूठा मुकदमा झेल जाता, वह अंत में क्या करता, क्या बनता, समाज के प्रति क्या सोचता । आखिर यह कानून लाकर सरकार क्या संदेश देना चाहती थीं कि अब शिक्षण संस्थानों में भी भेदभाव, जातिवाद, अपराध, वैमनस्यता आदि भी पढ़ाए जाएंगे। शिक्षा का मतलब मानवीय होता है. शिक्षा इन सबसे ऊपर होती है। जब आप शिक्षण संस्थानों में इसकी नींव रख देंगे, तब तो पूरी शिक्षा व्यवस्था ही चौपट हो जाएंगी। फूट डालो राज करो की नीति छोड़िए और देश की सोचिए। देश अभी बहुत से संकटों से गुजर रहा है। अगर समानता नहीं होंगी तो हमारा देश धीरे-धीरे कमजोर होता जायेगा। जो कानून बने, उसमें समानता हों, भेदभाव की कोई जगह न हो, जातिगत मुद्दे की बात न हो।

जरा हटके

ऑनलाइन गेमिंग ...

ललित गर्ग

डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया

ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदय-विदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गईं। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना

और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है। परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक 'गेम ओवर' की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है। आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है। सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए। शिक्षकों को भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों, अकेलेपन, चिड़चिड़ेपन और अचानक गिरते शैक्षणिक प्रदर्शन जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा। मनोवैज्ञानिक सहायता को लेकर समाज में जो झिझक और संकोच है, उसे भी तोड़ना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को कमजोरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। यदि किसी बच्चे में अवसाद, अत्यधिक चुप्पी, आक्रामकता या आत्मघाती विचारों के संकेत दिखें, तो समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना अत्यंत आवश्यक है। देर करना कई बार अपूरणीय क्षति में बदल जाता है। निस्संदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं।

हेजलवुड चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

ऑस्ट्रेलिया ने रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया, 11 फरवरी को पहला मैच खेलेगी टीम

मुबंई, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को आगामी टी-20 वर्ल्ड कप से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वे लंबे समय से हमस्ट्रिंग इंजरी से जूझ रहे हैं और अब तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसकी आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि हेजलवुड की रिकवरी में अभी और समय लगेगा, इसलिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया जा सकता। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक, फिलहाल हेजलवुड की जगह किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा। चयनकर्ताओं का मानना है कि उनकी चोट को जल्द ठीक करने की कोशिश करना जोखिम भरा हो सकता है, जिससे उनका करियर और प्रभावित हो सकता है। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने कहा कि टीम को उम्मीद थी कि जोश हेजलवुड सुपर-8 चरण तक फिट हो जाएंगे, लेकिन उनकी रिकवरी उम्मीद से धीमी रही है।

उन्होंने कहा, "हम नहीं चाहते कि जल्दबाजी में उन्हें मैदान पर उतारा जाए। इससे उनकी चोट और गंभीर हो सकती है।" टीम का लक्ष्य सभी मुकाबलों में जीत दर्ज कर सुपर-8 चरण में मजबूत स्थिति बनाना है। मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोयनिस, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन, मैथ्यू रैनशॉ, कूपर कॉनोली, टिम डेविड, जोश इंग्लिस, बेन ड्वारशुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नेमन और एडम जम्पा। टीम में ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन और मार्कस स्टोयनिस जैसे अनुभवी ऑलराउंडर शामिल हैं, जिन पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अहम जिम्मेदारी रहेगी। वहीं, टिम डेविड अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से टीम को मजबूती देने की कोशिश करेंगे। गेंदबाजी विभाग में जेवियर बार्टलेट, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस और एडम जम्पा पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। हालांकि, जोश हेजलवुड के बाहर होने से तेज गेंदबाजी आक्रमण थोड़ा कमजोर जरूर हुआ है।हेजलवुड के बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की रणनीति पर असर पड़ सकता है। वे टीम के सबसे भरोसेमंद गेंदबाजों में से एक माने जाते हैं। ऐसे में उनकी गैरमौजूदगी में बाकी गेंदबाजों को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी। इसके बावजूद टीम प्रबंधन को अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है।

7 फरवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। यह मुकाबला टीम के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसी से उसके अभियान की शुरुआत होगी। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में शामिल है, जहां उसके साथ श्रीलंका, जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड की टीमें हैं। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया को सबसे मजबूत टीम माना जा रहा है, लेकिन श्रीलंका और आयरलैंड से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है।

तीन खिलाड़ी करेंगे वर्ल्ड कप डेब्यू

इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में तीन खिलाड़ियों को पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप खेलने का मौका मिला है। इनमें स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन, ऑलराउंडर कूपर कॉनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट शामिल हैं। कूपर कॉनोली का चयन खास तौर पर चर्चा में है, क्योंकि उन्होंने पिछले 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा नहीं लिया था। इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा जताया है।

3 प्लेयर्स वर्ल्ड कप डेब्यू करेंगे

स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन, ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप टीम में मौका मिला है। कूपर कोनोली का चयन चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्होंने पिछले 12 टी-20 इंटर-नेशनल मैचों में हिस्सा नहीं लिया था। टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोयनिस अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे हैं। ग्लेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन जैसे अनुभवी ऑलराउंडर शामिल हैं। गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोश हेजलवुड, जेवियर बार्टलेट और बेन ड्वारिशिस जैसे गेंदबाजों पर है। एडम जम्पा और नाथन एलिस भी बॉलिंग लाइनअप का हिस्सा हैं।

बेंगलुरु ने दूसरी बार विमेंस प्रीमियर लीग जीता

दिल्ली लगातार चौथा फाइनल हारी, मंधाना ने 87, जॉर्जिया ने 79 रन बनाए

मुबंई, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने दूसरी बार विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) जीत लिया है। टीम ने गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स (DC) को 6 विकेट से हराया। बेंगलुरु 2024 में पहली बार चैंपियन बनी थी। जबकि दिल्ली लगातार चौथा फाइनल हारी है। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में बेंगलुरु ने 2 गेंद रहते ही 204 रन का टारगेट चेज कर लिया। यह WPL फाइनल का का सबसे बड़ा रन चेज है। कप्तान स्मृति मंधाना ने 87 रन की पारी खेली। जबकि जॉर्जिया वोल ने 79 रन बनाए। दोनों ने 92 बॉल पर 165 रन की साझेदारी की। आखिरी ओवर में 10 रन चाहिए थे। राधा यादव और नदीन डी क्लर्क ने

शुरुआती दो गेंद पर 2 सिंगल लिए। राधा ने तीसरी गेंद पर चौका लगाया। चौथी गेंद उन्होंने कवर्स की दिशा में खेली, लेकिन उनका बैट स्टंप से टकरा गया। गेंद बाउंड्री के बाहर चली गई, लेकिन गिल्लियां नहीं गिरीं। इस तरह RCB ने दूसरा टाइटल जीत लिया। दिल्ली से कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्ज ने 37 बॉल पर 57 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके शामिल रहे। उनके अलावा, लौरा वोल्वार्ट 44 और शिनेल हेनरी 35 रन बनाकर नाबाद रहीं। लिजेल ली ने 37 और शेफाली वर्मा ने 20 रन बनाए। इन पारियों के दम पर दिल्ली ने WPL फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, लेकिन टीम जीत नहीं हासिल कर सकी। टूर्नामेंट जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 करोड़ रुपए का इनाम मिला। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं सोफी डिवाइन को 5 लाख रुपए मिले। RCB: स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), राधा यादव, नदीन डी क्लर्क, पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, सयाली साटघरे, श्रेयांका पाटिल और लॉरेन बेल।

फास्ट न्यूज

बेन स्टोक्स को चेहरे पर गेंद लगी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एक भयानक हादसे का शिकार हो गए हैं। मैदान पर ट्रेनिंग के दौरान एक तेज रफ्तार गेंद उनके चेहरे पर जा लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर अपनी एक डरावनी तस्वीर शेयर की, जिसमें उनका चेहरा पहचान पाना भी मुश्किल हो रहा है। स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीर शेयर की है, उसमें उनकी दाईं आंख पूरी तरह सूजी हुई और काली पड़ चुकी है।

एपस्टीन की नई फाइलों में दावा-लड़कियों को जबरन प्रेग्नेंट कराया

वॉशिंगटन। जेफ्री एपस्टीन से जुड़े मामलों में एक बार फिर गंभीर और चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं। अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने हाल ही में नई फाइलें जारी कीं, जिनमें नाबालिग लड़कियों और महिलाओं से दरिंदगी का खुलासा हुआ है। एक फाइल के अनुसार, दो विदेशी महिलाओं की मौत यौन संबंधों के दौरान गला घोंटे जाने से हुई थी। बाद में एपस्टीन के एक कर्मचारी ने इन्हें न्यू मैक्सिको स्थित फार्म हाउस 'जोरो रैंच' में दफना दिया। इसमें एपस्टीन की करीबी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल भी शामिल थी। एक अन्य फाइल के अनुसार, एक नाबालिग लड़की ने खुद को 'ह्यूमन इन्क्यूबेटर', ईमेल के अनुसार, जोरो रैंच में लड़कियों को लंबे समय तक बंद रखा गया और उनसे जबरन गर्भधारण कराया गया।

टाटा मोटर्स को ₹3,486 करोड़ का घाटा

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को FY26 की तीसरी तिमाही में 3,486 करोड़ का कॉन्सोलिडेटेड घाटा हुआ है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 5,406 करोड़ का मुनाफा हुआ था। साइबर अटैक और चीन के बाजार में सुस्ती की वजह से जगुआर लैंड रोवर (JLR) के बिजनेस पर बुरा असर पड़ा, जिससे कंपनी के कुल रेवेन्यू और मुनाफे में ये गिरावट दर्ज की गई है।

फिल्म 'घूसखोर पंडत' का टीजर हटाया गया

मनोज बाजपेयी बोले- लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म 'घूसखोर पंडत' रिलीज से पहले ही विवादों में घिर गई है। फिल्म के टाइटल को लेकर ब्राह्मण समाज ने आपत्ति जताई है। वहीं, बढ़ते विरोध के बीच शुक्रवार को फिल्म के प्रोड्यूसर नीरज पांडे ने आधिकारिक बयान जारी कर फिल्म को पूरी तरह काल्पनिक बताया है। साथ ही फिल्म का टीजर और उससे जुड़ा सभी प्रमोशनल कंटेंट नेटफ्लिक्स इंडिया के सोशल मीडिया अकाउंट्स और यूट्यूब से हटा दिया गया। फिल्म को लेकर नीरज पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, हमारी फिल्म एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है और इसमें 'पंडत' शब्द का इस्तेमाल सिर्फ एक काल्पनिक किरदार के लिए आम बोलचाल के नाम के तौर पर किया गया है। इस कहानी का फोकस एक व्यक्ति के काम और उसके फैसलों पर है। इसका किसी भी जाति, धर्म या समुदाय से

कोई संबंध नहीं है और न ही यह किसी का प्रतिनिधित्व करती है। एक फिल्ममेकर के तौर पर मैं अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लेता हूं और ऐसी कहानियां कहना चाहता हूं जो सोच-समझकर और सम्मान के साथ बनाई जाएं। यह फिल्म भी मेरे पिछले कामों की तरह ईमानदार नीयत से और सिर्फ दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाई गई है। हम समझते हैं कि फिल्म के टाइटल से कुछ लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और हम उन भावनाओं का सम्मान करते हैं।

भागम भाग 2 में नहीं होंगे गोविंदा !

एक्टर की जगह मनोज बाजपेयी को किया गया कास्ट, अक्षय कुमार और परेश रावल फिर नजर आएंगे

मुबंई, एजेंसी

बॉलीवुड की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म भागम भाग का सीक्वल अब दर्शकों के लिए जल्द आने वाला है। साल 2006 में रिलीज हुई इस फिल्म ने दर्शकों को खूब हंसाया था और अब इसके दूसरे पार्ट को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। भागम भाग 2 में जहां अक्षय कुमार और परेश रावल एक बार फिर अपनी पुरानी भूमिकाओं में नजर आएंगे, वहीं गोविंदा की जगह इस बार मनोज बाजपेयी को कास्ट किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भागम भाग 2 में अक्षय कुमार और परेश रावल पहले पार्ट की तरह अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। दोनों की कॉमिक टाइमिंग को दर्शकों ने पहले ही खूब पसंद किया था, ऐसे में उनकी वापसी से फैंस में जबरदस्त उत्साह है। वहीं, इस बार गोविंदा फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे। उनकी जगह दमदार अभिनेता मनोज बाजपेयी को फिल्म में शामिल किया गया है, जो पहली बार इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनेंगे। मनोज की एंट्री से फिल्म में कॉमेडी के साथ-साथ एक नया अंदाज देखने को मिलेगा। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ मीनाक्षी चौधरी लीड रोल निभाती नजर आएंगी। वहीं, मनोज बाजपेयी के अपोजिट किस एक्ट्रेस को लिया जाएगा, इसको लेकर अभी मेकर्स बातचीत कर रहे हैं। भागम भाग 2 की शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू होने वाली है। फिल्म की कहानी गलत पहचान, कन्फ्यूजन, कॉमेडी ऑफ एरर्स और बढ़ती अफरा-तफरी पर आधारित होगी।

"भागम भाग का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था, लेकिन इस बार वे फिल्म से नहीं जुड़े हैं। भागम भाग 2 का निर्देशन राज शांडिल्य करेंगे। प्रियदर्शन फिलहाल अक्षय कुमार के साथ दूसरी फिल्मों में व्यस्त हैं। दोनों हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला पर काम कर रहे हैं, जो 15 मई 2026 को रिलीज होगी। इसके अलावा, प्रियदर्शन की थ्रिलर फिल्म हैवान भी 2026 में रिलीज हो सकती है, जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान नजर आएंगे।

पहली फिल्म को मिला था कल्ट स्टेटस

साल 2006 में रिलीज हुई भागम भाग में लारा दत्ता, राजपाल यादव, जैकी श्रॉफ और अरबाज खान भी अहम भूमिकाओं में थे। फिल्म का स्क्रीनप्ले नीरज वोरा ने लिखा था और म्यूजिक प्रीतम ने दिया था। करीब 32 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 67 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी।

कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा : शहबाज

कश्मीरियों के साथ मजबूती से खड़े, यह इलाका पाक की लाइफ लाइन है

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को PoK में कश्मीर को लेकर एक बार फिर विवादित बयान दिया है। मुजफ्फराबाद में विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा।' शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों के साथ मजबूती से खड़ा है और जम्मू-कश्मीर विवाद का हल कश्मीर के लोगों की इच्छा के मुताबिक होना चाहिए। शहबाज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के प्रस्तावों को लागू करने से ही हो सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं पाकिस्तानी लोगों और पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से कश्मीर के अपने भाइयों के साथ एकजुटता दिखाने आया हूं।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने इस क्षेत्र को पाकिस्तान की लाइफ लाइन बताया था। शहबाज ने यह भी कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति चाहता है, लेकिन यह शांति बराबरी और

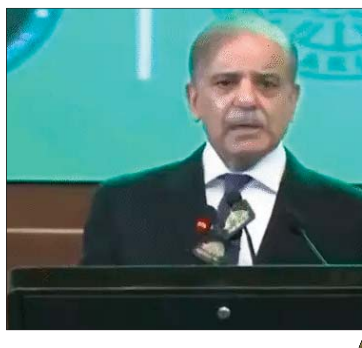

न्याय के आधार पर ही संभव है। हर साल की तरह इस साल भी 5 फरवरी को पाकिस्तान में कश्मीर एकजुटता दिवस (कश्मीर सॉलिडैरिटी डे) मनाया गया। इसमें रैलियां, प्रदर्शन और सेमिनार आयोजित किए गए। स्टेट रन रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि संघर्ष में जान गंवाने वालों की याद में सुबह 10 बजे एक मिनट का मौन रखा गया। लोग बैनर और प्लेकार्ड लेकर आए थे। भारत ने पाकिस्तान के दावों को लगातार खारिज किया है। नई दिल्ली का साफ कहना है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे। शहबाज शरीफ ने सितंबर 2025 को UN में भारत को दुश्मन बताते हुए दावा किया था कि भारत के साथ हुए संघर्ष में पाकिस्तान की जीत हुई थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने संघर्ष के दौरान भारत के 7 विमान गिराए थे। शहबाज ने कहा कि उन्होंने पहलगाम हमले की निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय जांच की अपील की थी, लेकिन भारत ने उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और उस त्रासदी का राजनीतिक फायदा उठाया। भारत का कट्टरपंथी हिंदुत्व दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा है।

शहबाज बोले- कश्मीर का मुद्दा हमारी फॉरेन पॉलिसी की नींव है

शहबाज शरीफ ने कहा कि कश्मीर का मुद्दा पाकिस्तान की फॉरेन पॉलिसी का आधार है। शहबाज ने भारत और पाकिस्तान के बीच मई 2025 में हुए चार दिवसीय सैन्य संघर्ष को भी याद किया। उन्होंने दावा किया कि इस संघर्ष के बाद कश्मीर मुद्दा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी ताकत के साथ उठाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत अब प्रॉक्सी के जरिए आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पाकिस्तान मिलिटेंट ग्रुप बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) को भारत का समर्थन मिलने का दावा करता है, जबकि भारत ऐसे आरोपों को हमेशा खारिज करता रहा है।

पाकिस्तानी पीएम ने कश्मीर को फिलिस्तीन से जोड़ा

शहबाज ने सभा में कहा कि कश्मीर की लड़ाई फिलिस्तीन की तरह है। उन्होंने दोनों मुद्दों को न्याय और आत्म-निर्णय की लड़ाई बताया। पाकिस्तानी PM ने अलगा-ववादी और उग्रवादी आंदोलनों से जुड़े कई लोगों का भी जिक्र किया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी एक बयान जारी कर कश्मीरियों के लिए पाकिस्तान के नैतिक, कूटनीतिक और राजनीतिक समर्थन की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर मुद्दा उठाता रहेगा।

अमेरिकी नागरिकों को तुरंत ईरान छोड़ने की चेतावनी

वर्चुअल एंबेसी बोली- मदद का इंतजार न करें

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान में रह रहे अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सख्त चेतावनी दी है। वर्चुअल अमेरिकी दूतावास ने कहा है कि देश में सुरक्षा की स्थिति बेहद खराब हो गई है। बढ़ती अशांति, पाबंदियां और यात्रा में रुकावटें लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन रही हैं। एम्बेसी ने साफ कहा है कि जल्द से जल्द ईरान छोड़ दें। अपने निकलने का प्लान खुद बनाएं और इसमें अमेरिकी सरकार की मदद पर भरोसा न करें। मौजूदा हालात में आधिकारिक सहायता बेहद सीमित है। ईरान में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और अशांति के कारण सुरक्षा व्यवस्था सख्त हो गई है। सड़कें बंद हैं, सार्वजनिक परिवहन ठप है, इंटरनेट और मोबाइल-लैंडलाइन सेवाएं बार-बार बाधित हो रही हैं। कई एयरलाइंस ने ईरान आने-जाने वाली उड़ानों को सीमित या रद्द कर दिया है, जिससे बाहर निकलना और भी मुश्किल हो

गया है। इस बीच अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता आज ओमान की राजधानी मस्कट में शुरू हो रही है। यह पिछले करीब नौ महीनों में दोनों देशों के बीच पहली औपचारिक बैठक है, जो जून 2025 में हुए संघर्ष के बाद से निलंबित थी। अमेरिकी चेतावनी में कहा गया है कि अगर तुरंत निकलना संभव न हो तो सुरक्षित जगह पर रहें। वहां खाना, पानी, दवाइयां और जरूरी सामान का स्टॉक रखें। इंटरनेट ब्लैकआउट जारी रहने की संभावना है, इसलिए परिवार और दोस्तों से संपर्क के लिए दूसरे तरीके सोचें।

जानकारी : आरबीआई ने ब्याज दर 5.25% पर बरकरार रखी, 2025 में चार बार में 1.25% की कटौती

पो रेट में बदलाव नहीं, लोन महंगा नहीं होगा

मुंबई, एजेंसी

इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25% पर बरकरार रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी EMI भी नहीं बढ़ेगी। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 6 फरवरी को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी, RBI ने दिसंबर में ब्याज दर 0.25% घटाकर 5.25% की थीं। RBI जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। जब RBI रेपो रेट घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है और वो इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। इन आंकड़ों से संकेत मिलता है कि थोड़े समय के लिए कीमतों में थोड़ी तेजी आ सकती है, लेकिन कुल मिलाकर महंगाई RBI के 2%-6% दायरे के भीतर ही रहेगी। RBI गवर्नर ने कहा कि महंगाई का दबाव फिलहाल कम है। सिर्फ सोना-चांदी जैसे कीमती धातुओं के मामले में थोड़ा असर दिख रहा है। इसकी वजह वैश्विक स्तर पर इनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव है। बाकी ज्यादातर चीजों के लिए कीमतें काबू में है। आगे की योजना को लेकर उन्होंने कहा कि अप्रैल में आने वाले अगले पॉलिसी स्टेटमेंट में आरबीआई पूरे साल के लिए रिटेल महंगाई दर का अनुमान पेश करेगा। तब तक नई सीरीज के तहत और ज्यादा डेटा भी उपलब्ध हो जाएगा। किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है।

हर दो महीने में होती है आरबीआई की मीटिंग

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 RBI के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। RBI की मीटिंग हर दो महीने में होती है। वित्त वर्ष 2025-26 में मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की कुल 6 बैठकें हुई। पहली बैठक 7-9 अप्रैल 2025 को हुई थी। RBI जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं।

2025 में चार बार में 1.25% की कटौती

फरवरी 2025 में ब्याज दरों को 6.5% से घटाकर 6.25% कर दिया था।

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी।

दूसरी बार अप्रैल में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर 0.25% घटाई गई।

जून में तीसरी बार आरबीआई में दरों में 0.50% कटौती की थी।

दिसंबर में 0.25% की कटौती के बाद ब्याज दरें 5.25% पर आ गई थी।

दिन के नीचले स्तर से सेंसेक्स 500 अंक रिकवर

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 6 फरवरी (शुक्रवार) को उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अभी सेंसेक्स 28 अंक की तेजी के साथ 83,300 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी 30 अंक गिरकर 25,600 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दिन के नीचले स्तर से सेंसेक्स में 532 अंक और निफ्टी में 166 अंक की रिकवरी देखने को मिली है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 82,925 का और निफ्टी ने 25,491 का डे लो बनाया था। IT सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली है। इसके अलावा ऑटो, FMCG, IT, फार्मा, मीडिया, प्राइवेट बैंक, मेटल सेक्टर के शेयर भी गिरकर कारोबार कर रहे हैं। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में गिरावट और सिर्फ 12 में तेजी देखने को मिल रही है। वहीं निफ्टी-50 के 36 शेयर नीचे ट्रेड कर रहे हैं। कल 5 फरवरी को सेंसेक्स 503 अंक गिरकर 83,313 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 133 अंक की गिरावट रही, ये 25,642 के स्तर पर बंद हुआ। मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली हुई। इसके अलावा ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, FMCG, IT, फार्मा, मीडिया, प्राइवेट बैंक, रियल्टी और ऑयल एंड गैस सेक्टर में भी गिरावट रही।

चांदी दो दिन में ₹41 हजार सस्ती, कीमत ₹2.41 लाख/किलो

सोना ₹1000 कम होकर 1.51 लाख पर आया, दो दिन में ₹6,669 गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 6 फरवरी को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत आज 13,155 रुपए गिरकर 2,41,184 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,54,339 रुपए थी। दो दिन में ये 41,278 रुपए सस्ती हो चुकी है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव आज 1,013 रुपए कम होकर 1,51,489 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये 1,52,502 रुपए पर था। सोना दो दिन में 6,669 रुपए सस्ता हुआ है। सर्राफा बाजार में सोने ने 29 जनवरी को 1,76,121 और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। इससे पहले 29 जनवरी से 2 फरवरी के बीच चांदी की कीमत 1.60 लाख

रुपए कम हुई थी। वहीं, सोने की कीमत में 26 हजार रुपए कम हुई थी। वायदा कारोबार (MCX) पर चांदी 4 लाख रुपए से घटकर 2.41 रुपए प्रति किलो पर आ गई थी। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.70 लाख से गिरकर 1.40 लाख पर आ गया था। हालांकि फिर दोनों के दाम में तेजी रही थी।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

*1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।*

*2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिए-शन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।*

यूपी में एसआईआर की डेट 1 महीने बढ़ाई गई

अब 6 मार्च तक नाम जुड़वा पाएंगे, फाइनल लिस्ट 10 अप्रैल को आएगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। चुनाव आयोग ने यूपी SIR प्रक्रिया की समय-सीमा बढ़ा दी है। अब जिन लोगों को दावा या आपत्ति दर्ज करानी है, उन्हें एक महीने का समय और मिलेगा। नई तारीख के मुताबिक, अब लोग अब 6 मार्च तक अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। फाइनल लिस्ट 10 अप्रैल को जारी होगी। इसकी जानकारी यूपी मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने लखनऊ लोक भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया- यूपी में SIR 27 अक्टूबर से शुरू हुआ था। मतदाताओं की गिनती का काम 4 नवंबर से 6 जनवरी तक चला। इसके बाद 6 जनवरी से 6 फरवरी तक दावा और आपत्ति दर्ज कराने का समय दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में आवेदन आए। नाम हटाने के लिए (फॉर्म 7) कुल 82,684 आवेदन आए। नाम जोड़ने के लिए (फॉर्म 6) करीब 37 लाख 80 हजार आवेदन आए। जो मतदाता बाहर रह रहे हैं (प्रवासी), वे फॉर्म 6A भर सकते हैं। अब तक 1,076 प्रवासी मतदाताओं ने आवेदन किया है। चुनाव विभाग के मुताबिक, फॉर्म 6 की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे करीब 1 करोड़ 40 लाख मतदाता थे, जिनका नाम ड्राफ्ट लिस्ट में तो था, लेकिन उनकी मैपिंग नहीं हुई थी। वहीं, 2.22 करोड़ लोगों ने मैपिंग कराई थी, लेकिन उसमें कुछ गड़बड़ियां पाई गईं। इन सभी को नोटिस भेजे जा रहे हैं। कुल मिलाकर 3.26 करोड़ मतदाताओं को नोटिस भेजे जाने हैं। अब तक 2.37 करोड़ नोटिस जारी हो चुके हैं, 86 लाख 27 हजार नोटिस लोगों को मिल भी चुके हैं। करीब 30 लाख मामलों की सुनवाई हो चुकी है। उन्होंने कहा- किसी भी पात्र मतदाता का नाम नहीं काटा जाएगा। हर आपत्ति की जांच होगी। उसके बाद ही निर्णय होगा। बड़ी संख्या में महिलाओं और युवाओं के नाम मतदाता सूची में नहीं है। नवदीप रिणवा ने अपील की कि नाम की स्पेलिंग (हिंदी/इंग्लिश) आधार कार्ड में जैसी हो, वैसा ही फॉर्म में लिखे, जिससे ऑनलाइन संशोधन कभी करना पड़े तो आसानी से घर बैठे हो जाए।

जन्मतिथि वेरिफाई करने के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट

- जन्म प्रमाण पत्र
- 10वीं/12वीं की मार्कशीट
- पासपोर्ट
- आधार कार्ड
- पैन कार्ड
- ड्राइविंग लाइसेंस
- बीमा पॉलिसी या बैंक पासबुक

एड्रेस वेरिफाई करने के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट

- आधार कार्ड
- पासपोर्ट
- ड्राइविंग लाइसेंस
- राशन कार्ड
- बिजली/पानी/टेलीफोन/गैस बिल
- बैंक/पोस्ट ऑफिस पासबुक एड्रेस सहित
- रेंट एग्रीमेंट
- सरकारी कर्मचारी का सेवा पहचान पत्र
- पेंशन डॉक्यूमेंट
- जाति प्रमाण पत्र
- निवास प्रमाण पत्र

ऐसे में दावा आपत्ति की तारीख 6 फरवरी से बढ़ाकर 6 मार्च कर दी है। यानी अब 6 मार्च तक नाम जुड़वाने, कटवाने या गलती सुधारने के लिए आवेदन किया जा सकता है। रक्फकी अंतिम मतदाता सूची 10 अप्रैल को जारी होगी। मतदाताओं की मदद के लिए बीएलओ हर कार्यदिवस सुबह 10 से 12 बजे तक बूथ पर मौजूद रहेंगे।

महिला की बाथरूम में नहाते-नहाते मौत

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर में महिला की गीजर से निकलने वाली गैस से मौत हो गई। वह बाथरूम में नहाने गई थी। काफी देर तक बाहर नहीं आईं तो परिजनों को शक हुआ। कई बार आवाज दी। दरवाजा खटखटाने पर भी आहट नहीं हुई। कोई आवाज नहीं आने पर दरवाजा तोड़कर देखा तो वह बेहोश मिली। तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों को अंदेशा है कि गीजर से गैस लीक के बाद दम घुटने से महिला की मौत हुई है। घटना गुरूवार को थाना रामपुर मनिहारान क्षेत्र की है। रामपुर मनिहारान कस्बे के मोहल्ला कायस्थान निवासी अभय जैन मोहल्ला कायस्थान में रहते हैं। पास में ही किराने की दुकान चलाते हैं। घर पर पत्नी के साथ रहते हैं। 22 साल की बेटी और 20 साल का बेटा नोएडा में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने बताया- उनकी पत्नी पूनम (54) सुबह रोज दुकान पर आती थीं। गुरुवार को जब वह दुकान पर नहीं आईं तो चिंता हुई। कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। घर पहुंचे तो पूनम कहीं दिखाई नहीं दी। कई बार आवाज लगाने के बाद अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

लखनऊ मेयर की गाड़ी के सामने लेटे प्रदर्शनकारी

मुख्यालय से नहीं निकलने दिया, बोले- बाबा साहब की होर्डिंग तोड़ी गई

- कई प्रदर्शनकारी स्लोगन लिखकर लाए थे। एक-एक नारा पढ़कर लगाया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नगर निगम मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उस समय हंगामा बढ़ गया, जब मेयर सुषमा खर्कवाल अपनी गाड़ी से कार्यालय परिसर से बाहर निकलने वाली थीं। तभी प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने उनकी गाड़ी को घेर लिया और सामने लेटकर रास्ता रोक दिया। अचानक हुए इस घटनाक्रम के कारण मेयर काफी देर तक नगर निगम मुख्यालय से बाहर नहीं निकल सकीं। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और पुलिस को स्थिति संभालने में मशक्कत करनी पड़ी। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं का कहना है कि सीतापुर रोड स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की होर्डिंग को तोड़ा गया है, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भारी नाराजगी है। उनका आरोप है कि यह कार्रवाई जानबूझकर की गई है और इसके पीछे नगर निगम की भूमिका है। इसी मुद्दे को लेकर आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता नगर निगम मुख्यालय पहुंचे और मेयर सुषमा खर्कवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति को देखते हुए नगर निगम परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन खत्म कराने की कोशिश की।

फास्ट न्यूज

430 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) ने गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र में संकट मोचन द्वार के पास एक तस्कर को 430 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है। ANTF यूनिट वाराणसी की टीम को 5 फरवरी को सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ लेकर संकट मोचन द्वार के पास गीतापुरी की ओर जाने वाले मार्ग पर खड़ा है।

भाजपा विधायक को लुटेरा कहने पर अजय राय पर एफआईआर

लखनऊ। सरोजनी नगर विधायक राजेश्वर सिंह को लुटेरा कहने पर कांग्रेस यूपी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ लखनऊ में FIR दर्ज हुई है। अजय राय ने एक कार्यक्रम में कहा था- विधायक राजेश्वर देश और प्रदेश को लूटने का काम कर रहे है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में रहते हुए भी यह लूट-खसोट जारी थी। भाजपा नेता शिवशंकर सिंह उर्फ शंकरी ने इस टिप्पणी के बाद सरोजनी नगर थाने में शिकायत की। तहरीर में बताया- 1 फरवरी 2026 को सरोजनीनगर के गौरी-बिजनौर रोड स्थित नटकुर तिराहा पर एक राजनीतिक सभा आयोजित की गई थी। इस सभा को संबोधित करते अजय राय ने असत्य, मानहानि करने वाला और भड़काऊ बयान दिया था।

सतीश महाना की विधानसभा में सबसे ज्यादा नए वोटर्स

कानपुर। कानपुर में SIR में वोटर लिस्ट को अपडेट किया जा रहा है। जिले में अभी तक कुल एक लाख 61 हजार, 64 लोगों ने नया वोटर बनने के लिए फार्म-6 भरकर आवेदन किया है। इसमें विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के विधानसभा क्षेत्र महाराजपुर से सबसे अधिक आवेदन आए हैं। यहां से 28,454 युवाओं ने फार्म-06 भरा है। वहीं नसीम सोलंकी की सीट पर 14920 युवा नए वोटर बनने की रेस में शामिल हैं।

लखनऊ में स्कूली बच्चों को करते थे सप्लाई, दिल्ली से लाते थे ड्रग्स

एसटीएफ ने कोकीन तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में एसटीएफ ने स्कूली बच्चों और नाइट क्लबों तक अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले अंतर-राज्यीय गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ टीम ने चारबाग रेलवे स्टेशन के पास से गिरोह के सदस्यों को पकड़ा है। उनके पास से कोकीन, अफीम, गांजा, ऑर्गेनिक गांजा और एमडी ड्रग्स बरामद हुए हैं। एसटीएफ को लखनऊ के प्रतिष्ठित स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों और पार्टियों में नशीले पदार्थों की सप्लाई की जा रही है। इस पर एसटीएफ की टीम ने जांच शुरू की। उसके बाद यह गिरोह एसटीएफ के हत्थे चढ़ा। पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह ने बताया कि गिरोह के सदस्य दिल्ली से कोकीन, अफीम, गांजा और अन्य मादक पदार्थ लखनऊ लाते थे। इसकी सूचना गुरुवार को एसटीएफ को मिली। सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान महरौली जौनापुर, साउथ दिल्ली निवासी राजकुमार उर्फ चिका, महरौली निवासी राजकुमार, हुसैनगंज निवासी सैय्यद दावर अलवी , रामगढ ताल, गोरखपुर निवासी यश श्रीवास्तव उर्फ उत्तम और नाका हिण्डोला निवासी प्रभजीत सिंह के रूप में हुई। आरोपियों ने बताया कि सौदे तय स्थानों पर होते थे। गिरोह का एक तय ड्रेस कोड भी था। कोकीन 8 से 10 हजार रुपये प्रति ग्राम की दर से बेची जाती थी। नाइट क्लब, पब और बार में बाउंसर, वेटर और स्टाफ के जरिए भी नशे की सप्लाई की जाती थी।

स्कूल-कॉलेज के छात्रों को बनाते थे निशाना

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि राजकुमार उर्फ चीका और राजकुमार दिल्ली से नशीले पदार्थों की खेप लाते थे, जिसे लखनऊ में यश श्रीवास्तव और प्रभजीत सिंह को बेचा जाता था। यश और प्रभजीत इस कोकीन को शहर के प्रतिष्ठित स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को सप्लाई करते थे। गिरोह के सदस्य बच्चों को डराकर चुप करा देते थे, ताकि कोई शिकायत न हो। छात्रों को आधा-आधा ग्राम की मात्रा में नशा बेचा जाता था, जिससे कोई गंभीर असर न दिखे और शक न हो।

लखनऊ नगर निगम में मुर्दाबाद के नारे, जबरदस्त प्रदर्शन

रिटायर्ड टैक्स अधीक्षक को मिले 2 बिल, दुकान का किराया 20 गुना बढ़ा

- सरोजनी नगर से करीब 100 लोग इकट्ठा नगर निगम मुख्यालय पहुंच गए। यहां प्रदर्शन करने लगे।
- लोगों को संपूर्ण समाधान दिवस में एंट्री रजिस्ट्रेशन कराकर ही जाने दिया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में नगर निगम के रिटायर्ड टैक्स अधीक्षक को ही हाउस टैक्स के 2 मिल रहे हैं। निगम की दुकान का किराया 20 गुना तक बढ़ गया है। अधिकारियों की मिलीभगत से दिवंगत व्यक्ति की बहन ने उनका घर अपने नाम करा लिया है। कॉलोनी में 20 साल से सड़क नहीं बनी है। इसके लिए कॉलोनीवासियों ने नगर निगम मुख्यालय में जोरदार प्रदर्शन किया। ये सारी घटनाएं और वाकये शुक्रवार, 6 फरवरी को नगर निगम के संपूर्ण समाधान दिवस में सामने आए। बड़ी संख्या में लोग समस्याएं लेकर पहुंचे थे। सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड की अवध विहार कॉलोनी के लोगों ने नगर निगम मुर्दाबाद और पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए। उनका कहना था कि कॉलोनी में लगातार पानी भरा हुआ है। कई फरियादी सड़क न बनने की समस्या लेकर पहुंचे। कुछ लोग दुकान का किराया 20 गुना तक बढ़ने की समस्या लेकर पहुंचे। पुरनिया का एक युवक अपनी बुआ के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचा। उसका आरोप था कि बुआ ने जोन-3 के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके पिताजी का घर अपने नाम करा लिया। जांच और कार्रवाई होनी चाहिए। नगर निगम में संपूर्ण समाधान दिवस पर 268 लोग ऐसे पहुंचे जिन्हें रजिस्ट्रेशन कराया और उनके पास अपनी शिकायतों के दस्तावेज थे। कई ऐसे लोग भी पहुंचे जो बिना कागज के थे। जोन-3 के पुरनिया से आकाश अपनी बुआ के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचे। उनका कहना है कि पिताजी की मृत्यु के बाद बुआ ने हमारा घर अपने नाम करा लिया। अब हमें उस पर हक नहीं मिल पा रहा है। बताया- हमारा मकान 537/318 (147) नगर निगम में बाबा शंभू यादव और ऋतुराज सिंह यादव के नाम पंजीकृत है।

लखनऊ में भूकंप के झटके

गोंडा था केंद्र, रिक्टर पैमाने पर 3.7 थी तीव्रता

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। अचानक धरती में कंपन होने से कुछ देर के लिए लोगों में अफरा-तफरी मच गई और कई इलाकों में लोग घरों व दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भूकंप सुबह करीब 7:32 बजे आया। उस समय लोग अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या में व्यस्त थे। इसी दौरान कुछ सेकंड के लिए धरती हिलने का अहसास हुआ। झटके हल्के थे, लेकिन ऊंची इमारतों में रहने वाले लोगों ने इसे ज्यादा स्पष्ट रूप से महसूस किया। मौसम और आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में स्थित था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई है। वहीं से निकली भूकंपीय तरंगों का असर आसपास के जिलों के साथ लखनऊ तक पहुंचा, जिससे राजधानी में भी कंपन महसूस हुआ। भूकंप के बाद जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग ने स्थिति पर नजर बनाए रखी। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल कहीं से भी किसी इमारत के क्षतिग्रस्त होने या जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। झटकों के बाद कुछ समय तक लोगों में दहशत का माहौल बना रहा। कई लोग एहतियातन खुले स्थानों पर निकल आए। हालांकि, जब किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली तो धीरे-धीरे हालात सामान्य हो गए और लोग अपने काम पर लौट आए। भूकंप विशेषज्ञों के अनुसार, 3.7 तीव्रता का भूकंप सामान्य श्रेणी में आता है और इससे आमतौर पर बड़े नुकसान की संभावना नहीं होती। फिर भी लोगों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने भी नागरिकों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी आपात स्थिति में सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। भूकंप के बाद जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग ने स्थिति पर नजर बनाए रखी। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल कहीं से भी किसी इमारत के क्षतिग्रस्त होने या जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

हड़कंप : सीएनसी मशीन में आग लगी ■ तेज धुआं फैलने से अफरा-तफरी

विभूति खंड में निर्माणाधीन होटल में आग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। शहर के विभूति खंड थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर लगभग 3 बजे एक निर्माणाधीन होटल में आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी, जिसके बाद दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना के समय होटल में पत्थर काटने का काम चल रहा था। साढ़े 3 बजे CNC मशीन से डिज़ाइनिंग पत्थर काटे जा रहे थे, तभी मशीन में आग लग गई। होटल के अंदर पेंट और प्लास्टिक रखे होने के कारण आग तेजी से फैल गई और धुआं बहुत तेज हो गया। आग लगते ही मजदूरों ने पास की बिल्डिंगों से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन धुएं के कारण आग पर तुरंत काबू पाना मुश्किल था। फायर ब्रिगेड की टीम ने हौज पंप से आग बुझाने के प्रयास किए। दमकलकर्मियों को आग बुझाने के दौरान कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि तेज धुआं और होटल के निर्माणाधीन होने की वजह से अंदर प्रवेश करना बेहद कठिन था। स्थानीय निवासियों ने बताया कि आग लगने से इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई, और आसपास के लोगों ने अपने बच्चों और घरवालों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना शुरू कर दिया। अभी तक आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। फायर ब्रिगेड की टीम पूरी सतर्कता के साथ आग बुझाने में जुटी हुई है और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कदम उठाए गए हैं। घटना के दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन निर्माणाधीन होटल और उसमें रखे उपकरणों को नुकसान पहुंचा है।

■ आग लगने से कई मजदूर बिल्डिंग में फंस गए, जिनको बड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया।

पत्थर काटते हुए मशीन में लगी आग

प्रत्यक्षदर्शी अब्दुला ने बताया- साढ़े 3 बजे CNC मशीन से डिजिनिंग पत्थर काटे जा रहे थे। तब ही मशीन में आग लग गई, अंदर पेंट रखा था। बताया जा रहा है कि उससे प्लास्टिक में आग लग गई, फिलहाल अभी धुआं उठ रहा है। होटल में काम कर रहे मजदूरों ने आस-पास की बिल्डिंग से पानी लेकर आग बुझाने की कोशिश की। करीब आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाना शुरू किया।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अगर स्थानीय लोग तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देते और फायर ब्रिगेड को सूचित नहीं करते, तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। प्रशासन ने आसपास के इलाकों में लोगों से धैर्य बनाए रखने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

पृष्ठ 01 का शेष...

नमाजियों के खून ...

इस्लामाबाद के पुलिस चीफ ने पूरे शहर में इमरजेंसी घोषित कर दी है। अधिकारियों को आशंका है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। जबकि 2024 में यह चौथे स्थान पर था। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सबसे ज्यादा आतंक प्रभावित इलाके हैं। देश भर की कुल आतंकी घटनाओं में से 90% इसी इलाके में हुईं। रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को लगातार दूसरे साल पाकिस्तान का सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठन बताया गया। 2024 में इस ग्रुप ने 482 हमले किए, जिसकी वजह से 558 मौतें हुई थीं, जो 2023 के मुकाबले 91% ज्यादा हैं। इस्लामिक स्टेट-खुरासान (IS-K) ने अब पाकिस्तानी शहरों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

योगी सरकार ...

जांच में पाया गया कि इस तरह के आरसी नोटिस जारी होने के बावजूद उन नोटिसों को वापस लिया गया, जिससे सार्वजनिक भूमि के संरक्षण का लक्ष्य प्रभावित हुआ। ऐसी भूमि पर ब्याज लेने वाले लोग कई बार अतिक्रमण कर लेते हैं और अगर नियमों के अनुसार नोटिस लागू न हों तो सरकारी हितों को बड़ा नुकसान हो सकता है। इसी गंभीर स्थिति को लेकर जिलाधिकारी, पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर ने मामले की विस्तृत जांच शुरू की। सरकार ने शुरू में एक तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया, जिसमें एडीएम (न्यायिक), एसडीएम चकिया और अतिरिक्त एसडीएम चंदौली शामिल थे। इस जांच में यह पाया गया कि तत्कालीन तहसीलदारों और संबंधित पीसीएस अधिकारियों द्वारा अपने दायित्वों का ठीक से पालन नहीं किया गया, और उसके कारण अवैध कब्जे का पक्ष लेने जैसे आदेश पारित हुए। अधिकारियों के ऐसे कृत्यों को प्रशासन के मानकों के खिलाफ माना गया।

भाजपा विधायक ...

चुनावी तैयारियों के साल में सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों के बीच सड़क पर तकरार के मामले ने पार्टी की भी किरकिरी हुई। शुरुआत में मामले के खुद-ब-खुद शांत होने का इंतजार कर रहे भाजपा के प्रदेश नेतृत्व को प्रकरण बढ़ता देख आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने इसे गंभीरता से लेते हुए विधायक बृजभूषण राजपूत को उनके सोशल मीडिया पर वायरल बयानों को लेकर नोटिस जारी किया है। उधर, विधायक बृजभूषण राजपूत ने एक निजी चैनल से कहा कि वे शनिवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से मिलेंगे। अब देखना होगा कि नोटिस मिलने के बाद विधायक के रुख में कुछ बदलाव होगा या फिर वे पुराने तेवरों में ही नजर आएंगे।

गड्ढे में गिरकर ...

और प्राइवेट बैंक के कॉल सेंटर में काम करता था। कमल के दोस्त मयंक ने कहा कि कमल से आखिरी बात रात 11.30 बजे हुई थी। उसने कहा था कि वह डिस्ट्रिक्ट सेंटर के पास है और 15 मिनट में घर पहुंच जाएगा। आधे घंटे तक न आने पर परिजन उसे खोजने निकले और जनकपुरी पुलिस स्टेशन भी पहुंचे। पुलिस ने फोन ट्रेस किया लेकिन जो लोकेशन मिली वहां पर कमल नहीं था। मयंक ने आरोप लगाया कि पुलिस ने रात में शिकायत दर्ज करने या खोज शुरू करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने कहा कि हमारी शिकायत सुबह 11 बजे से पहले दर्ज नहीं की जाएगी। AAP नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि बेशर्म BJP सरकार टैक्स देने वालों का पैसा अपनी पार्टी फंड के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। वे खुलेआम अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के परिवारों को मुआवजा और नौकरियां दे रहे हैं, जबकि सैकड़ों आम लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि यह मेन रोड दिल्ली सरकार के PWD के अंदर आती है, और इसे DJB ने खोदा था। लोकल RWA ने इस खतरे के बारे में अधिकारियों से कई बार शिकायत की थी, लेकिन कौन सुनता है? यह हादसा होना ही था। शिकायतों के बावजूद, इस मौत के जाल को ठीक से बैरिकेड नहीं लगाया गया ताकि लोगों की जान न जाए। 16 जनवरी को नोएडा में घने कोहरे की वजह से साफ्टवेयर इंजीनियर की दलदल में गिरकर मौत हो गई थी। वह करीब 80 मिनट तक पिता के सामने चिल्लाता रहा। उनसे फोन कर कहा- पापा मुझे बचा लो, मैं मरना नहीं चाहता।

डिप्टी सीएम की ...

चुराचांदपुर जिले के तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में सैकड़ों युवा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को वापस उनकी बैरक में धकेलने की कोशिश की। जब सुरक्षाबलों ने बात मानने से इनकार कर दिया तो पत्थरबाजी शुरू हो गई। कुछ लोगों ने सड़क के बीच में टायर जला दिए। आदिवासी संगठन जॉइंट फोरम ऑफ सेवन ने कुकी-बहुल चुराचांदपुर में शुक्रवार सुबह 6 से 12 घंटे का बंद बुलाया। वहीं, कुछ संगठनों ने नेमचा किपगेन को मारने वाले को 20 लाख और विधायकों एलएम खाउते, एन सेनाते को मारने वाले को 10-10 लाख रुपए इनाम देने का ऐलान किया है। चुराचांदपुर में कुकी विमेन ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स (KWOHR) और इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (ITLF) की महिला इकाइयों ने संयुक्त रूप से रैली निकाली। प्रदर्शनकारी कोइते प्लेग्राउंड से वॉल ऑफ रिमेंबरेंस तक करीब 3 किलोमीटर पैदल चले और नेमचा किपगेन के इस्तीफे की मांग की। कुकी जो काउंसिल (KZC) ने आरोप लगाया कि इन विधायकों ने 13 जनवरी को पारित 'लुंगथू रेजोल्यूशन' का उल्लंघन किया है।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ढह चुकी

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर हमला

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हत्या, लूट, बलात्कार, ठगी और अपहरण जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम जनता में भय का माहौल बन गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार का 'जीरो टॉलरेंस' का दावा पूरी तरह फेल हो चुका है। महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराध के मामलों में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष पर पहुंच गया है, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने राजधानी लखनऊ का जिक्र करते हुए कहा कि यहां रोजाना कई आपराधिक घटनाएं सामने आ रही हैं। हाल ही में हाथरस में एनएच-93 पर बदमाशों ने सेना के जवान अखिलेश चौधरी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं, सरोजिनी नगर इलाके में थार सवार बदमाशों ने एक युवक का अपहरण कर लूटपाट की, जबकि गोमती नगर में महिला से पर्स छीनने की घटना हुई। सपा प्रमुख ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में प्रदेश में 1 लाख 8 हजार से अधिक लोग लापता हो चुके हैं, जिनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी है। उन्होंने कहा कि अपहरण की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार सिर्फ झूठे आंकड़े और बयानबाजी कर रही है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676